Dr. Kaushal Kumar
Economics
B.A. I

का कार्य नहीं है। सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री सीनियर के अनुसार अर्थशास्त्री का उद्देश्य केवल एक शब्द भी नहीं जोड़ा सकता। आधुनिक काल में प्रो० रॉबिन्स ने भी इस विचार की पुष्टि की है। इसके अनुसार, अर्थशास्त्र उद्देश्यों के बीच तटस्थ है (Economics is neutral between ends) रॉबिन्स की राय में "अर्थशास्त्र उद्देश्यों बीच तटस्थ है" उद्देश्य आर्थिक आयता और आर्थिक नहीं हो सकते। किसी एक कार्य को करने का तरीका मितव्ययीतापूर्ण या खर्चीला हो सकता है किन्तु उद्देश्य तो उद्देश्य ही है। दूसरी तरफ हॉट्रे, फ्रेजर आदि अर्थशास्त्री ऐसे हैं जो अर्थशास्त्र को आदर्श विज्ञान मानते हैं (इनके राय में अर्थशास्त्र को नीतिशास्त्र Ethics से पृथक नहीं किया जा सकता। ~~एक अर्थशास्त्री से~~ अतः हॉट्रे Hawtrey आदि अर्थशास्त्रियों के अनुसार, अर्थशास्त्र को उद्देश्य रहित नहीं माना जा सकता। इसके अनुसार "अर्थशास्त्र को नीतिशास्त्र से पृथक नहीं किया जा सकता"

निष्कर्ष: इस प्रकार अर्थशास्त्र विज्ञान एवं कला दोनों ही है। वास्तव में वास्तविक एवं आदर्शवादी विज्ञान होने के साथ-साथ अर्थशास्त्र एक कला भी है। यानी अर्थशास्त्र न तो केवल वास्तविक विज्ञान के रूप में इस बात का अध्ययन करता है कि वास्तविक नियमों का निरूपण भी करता है। दूसरे शब्दों में अर्थशास्त्र सभी आर्थिक घटनाओं के गुण एवं अवगुण पर विचार कर एक आदर्श प्रस्तुत करता है तथा उसकी प्राप्ति का सही मार्ग भी बतलाता है। इस प्रकार विज्ञान के साथ-साथ अर्थशास्त्र कला भी है।

अर्थशास्त्र की सीमाएं (LIMITATIONS OF ECONOMICS)

किसी भी विषय की सीमाओं की जानकारी से हमें यह पता चलता कि उस शास्त्र के अन्तर्गत कौन-कौन सी बातें सम्मिलित रहती हैं और कौन सी बातें उसके क्षेत्र से परे हैं। सीमाओं की जानकारी से निश्चितता एवं स्पष्टता आ जाती है। अर्थशास्त्र की परिभाषा की विवेचना करते समय यह देखा था कि प्रो० मार्शल तथा रॉबिन्स ने अर्थशास्त्र की सीमाओं का उल्लेख अपने दृष्टिकोण से पृथक-पृथक रूप में किया है।

प्रो० मार्शल के अनुसार अर्थशास्त्र की सीमाएं (limitation of Economics according to prof. Marshall)

prof Marshall द्वारा दी गई परिभाषाओं के आधार अर्थशास्त्र की निम्नलिखित सीमाएं हैं:—

(i) अर्थशास्त्र में केवल मनुष्य की आर्थिक क्रियाओं का ही अध्ययन किया जाता है।

(ii) किन्तु इसमें सामाजिक, वास्तविक तथा सामान्य मनुष्यों की आर्थिक क्रियाओं का ही अध्ययन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, साधु संन्यासी, काल्पनिक तथा असामान्य व्यक्तियों की क्रियाओं का अध्ययन अर्थशास्त्र के क्षेत्र से परे है।

(iii) अर्थशास्त्र में मनुष्य की केवल आर्थिक क्रियाओं का ही अध्ययन किया जाता है यानी अर्थशास्त्री में मनुष्य की केवल उन्हीं क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है, जिन्हें मुद्रा-रूपी- मापदण्ड से मापा जा सके।

Prof. Robbins के अनुसार अर्थशास्त्र की सीमाएँ—

(i) अर्थशास्त्र में मनुष्य की प्रत्येक क्रिया के केवल आर्थिक पहलू का ही अध्ययन किया जाता है यानी इसमें उन क्रियाओं का ही अध्ययन किया जाता है, जिनका द्रव्य से कोई सम्बंध नहीं है।

(ii) अर्थशास्त्र में सभी प्रकार के मनुष्यों चाहे वे समाज में रहते हों या नहीं की क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। इस प्रकार रॉबिन्स ~~के अनुसार~~ ने अर्थशास्त्र को एक मानव विज्ञान (Human Science) माना है।

(iii) रॉबिन्स के अनुसार, अर्थशास्त्र वास्तविक विज्ञान (positive science) है, आदर्श विज्ञान अथवा कला नहीं। इस प्रकार अर्थशास्त्र की विषय सामग्री, प्रकृति एवं सीमाओं की जानकारी से हमें इसके क्षेत्र का पूरा ज्ञान हो जाता है।